मेरविंगियन राजवंश (Merovingian Dynasty)
(लगभग 481 ई.–751 ई.)
1️⃣ परिचय
मेरविंगियन राजवंश फ्रैंक्स (Franks) का प्रारम्भिक शासक वंश था जिसने पश्चिमी रोमन साम्राज्य के पतन (476 ई.) के बाद गॉल (आधुनिक फ्रांस और बेल्जियम का क्षेत्र) में सत्ता स्थापित की।
इस वंश का नाम इसके पौराणिक पूर्वज मेरोवेच (Merovech) के नाम पर पड़ा।
2️⃣ स्थापना और प्रमुख शासक
🔹 क्लोविस प्रथम (Clovis I) (481–511 ई.)
मेरविंगियन वंश का वास्तविक संस्थापक
496 ई. में ईसाई (कैथोलिक) धर्म स्वीकार किया
टोलबियाक (Tolbiac) के युद्ध में विजय
गॉल के अधिकांश भाग को एकीकृत किया
👉 क्लोविस का ईसाई धर्म ग्रहण करना अत्यंत महत्वपूर्ण था क्योंकि इससे उसे रोमन चर्च का समर्थन मिला और जर्मनिक शासकों में उसकी विशिष्ट पहचान बनी।
3️⃣ प्रशासनिक व्यवस्था
शासन जर्मनिक परंपरा और रोमन प्रशासन का मिश्रण था
स्थानीय स्तर पर काउंट (Count) नियुक्त किए जाते थे
“Salic Law” (सलिक क़ानून) का संकलन
यह जर्मनिक परंपराओं पर आधारित कानून था
इसमें महिलाओं को राजसिंहासन का अधिकार नहीं था
4️⃣ चर्च से संबंध
चर्च और राजसत्ता का गठबंधन
बिशप प्रशासन में प्रभावशाली
कैथोलिक धर्म अपनाने से राजनीतिक स्थिरता
5️⃣ पतन के कारण
7वीं–8वीं शताब्दी तक मेरविंगियन राजा कमजोर हो गए।
वास्तविक शक्ति “Mayor of the Palace” (महल के प्रमुख अधिकारी) के हाथ में चली गई।
अंततः 751 ई. में पेपिन द शॉर्ट ने अंतिम मेरविंगियन शासक को हटाकर कैरोलिंगियन वंश की स्थापना की।
6️⃣ ऐतिहासिक महत्व
रोमन साम्राज्य के बाद पश्चिमी यूरोप में पहली स्थायी जर्मनिक सत्ता
फ्रांस के प्रारंभिक राज्य की नींव
चर्च और राज्य के संबंधों की शुरुआत
यूरोप के ईसाईकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम
🔎 समग्र मूल्यांकन
मेरविंगियन राजवंश संक्रमण काल का प्रतिनिधित्व करता है —
रोमन परंपरा से मध्यकालीन सामंती व्यवस्था की ओर।
यह वंश भले ही अंततः कमजोर हुआ, परंतु इसने यूरोप के राजनीतिक और धार्मिक ढांचे को स्थायी रूप से प्रभावित किया।